



Rajiv jha

02 Jul 1982

12:05 AM

Darbhanga

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 120954803

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 1-02/07/1982
दिन _____: गुरु-शुक्रवार
जन्म समय _____: 00:05:00 घंटे
इष्ट _____: 47:48:26 घटी
स्थान _____: Darbhanga
राज्य _____: Bihar
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:10:00 उत्तर
रेखांश _____: 85:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:13:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 00:18:36 घंटे
वेलान्तर _____: -00:03:41 घंटे
साम्पातिक काल _____: 18:56:33 घंटे
सूर्योदय _____: 04:57:37 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:42:31 घंटे
दिनमान _____: 13:44:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 15:58:42 मिथुन
लग्न के अंश _____: 25:46:11 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मीन - गुरु
राशि-स्वामी _____: तुला - शुक्र
नक्षत्र-चरण _____: विशाखा - 2
नक्षत्र स्वामी _____: गुरु
योग _____: साध्य
करण _____: विष्टि
गण _____: राक्षस
योनि _____: व्याघ्र
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कर्क

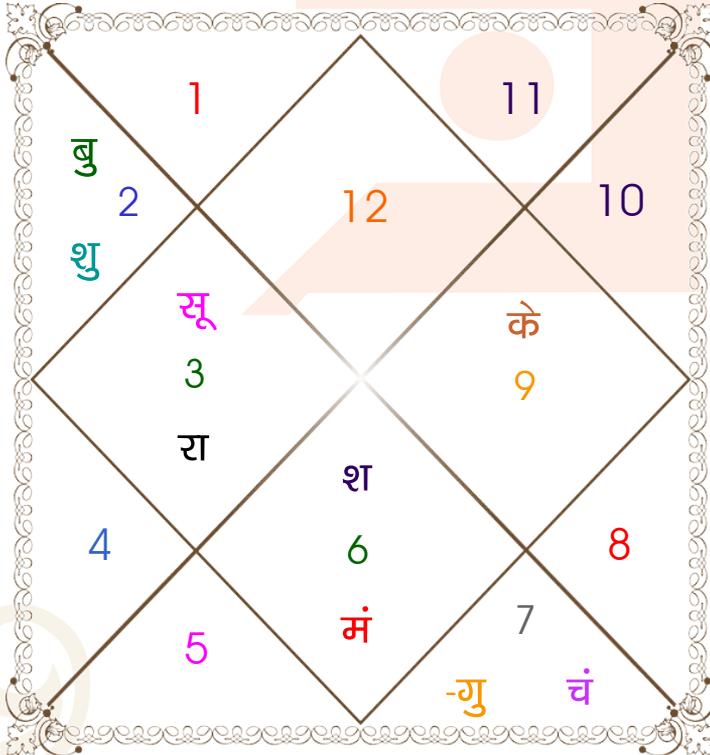
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	25:46:11	484:49:13	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			मिथु	15:58:42	00:57:12	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			तुला	26:29:28	12:02:15	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
मंगल			कन्या	19:41:57	00:26:24	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
बुध			वृष	24:44:23	01:16:32	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु			तुला	06:51:10	00:00:43	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	13:48:44	01:11:12	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	स्वराशि
शनि			कन्या	22:02:16	00:01:20	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	19:45:08	00:00:04	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	उच्च राशि
केतु	व		धनु	19:45:08	00:00:04	पूर्वाषाढा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	07:34:02	00:01:46	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
नेप	व		धनु	01:40:20	00:01:33	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	00:30:36	00:00:06	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			धनु	19:23:56	--	पूर्वाषाढा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

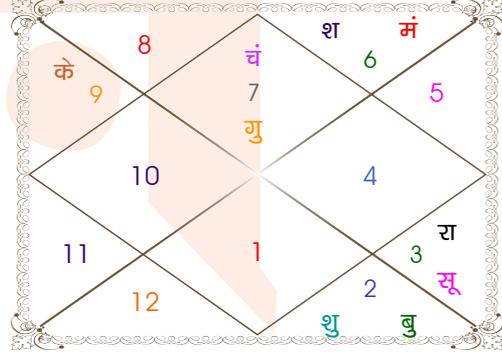
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:29

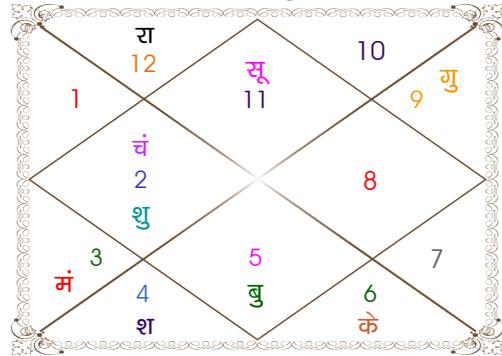
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 2 मास 16 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
02/07/1982	16/09/1990	16/09/2009	16/09/2026	16/09/2033
16/09/1990	16/09/2009	16/09/2026	16/09/2033	16/09/2053
00/00/0000	शनि 19/09/1993	बुध 13/02/2012	केतु 13/02/2027	शुक्र 16/01/2037
00/00/0000	बुध 29/05/1996	केतु 09/02/2013	शुक्र 14/04/2028	सूर्य 16/01/2038
02/07/1982	केतु 08/07/1997	शुक्र 11/12/2015	सूर्य 20/08/2028	चंद्र 17/09/2039
केतु 30/07/1982	शुक्र 07/09/2000	सूर्य 16/10/2016	चंद्र 21/03/2029	मंगल 16/11/2040
शुक्र 30/03/1985	सूर्य 20/08/2001	चंद्र 18/03/2018	मंगल 17/08/2029	राहु 17/11/2043
सूर्य 16/01/1986	चंद्र 21/03/2003	मंगल 15/03/2019	राहु 04/09/2030	गुरु 18/07/2046
चंद्र 18/05/1987	मंगल 29/04/2004	राहु 01/10/2021	गुरु 11/08/2031	शनि 16/09/2049
मंगल 23/04/1988	राहु 06/03/2007	गुरु 07/01/2024	शनि 19/09/2032	बुध 17/07/2052
राहु 16/09/1990	गुरु 16/09/2009	शनि 16/09/2026	बुध 16/09/2033	केतु 16/09/2053

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
16/09/2053	17/09/2059	16/09/2069	16/09/2076	16/09/2094
17/09/2059	16/09/2069	16/09/2076	16/09/2094	00/00/0000
सूर्य 04/01/2054	चंद्र 17/07/2060	मंगल 12/02/2070	राहु 30/05/2079	गुरु 04/11/2096
चंद्र 05/07/2054	मंगल 15/02/2061	राहु 03/03/2071	गुरु 23/10/2081	शनि 18/05/2099
मंगल 10/11/2054	राहु 17/08/2062	गुरु 07/02/2072	शनि 29/08/2084	बुध 24/08/2101
राहु 05/10/2055	गुरु 17/12/2063	शनि 18/03/2073	बुध 18/03/2087	केतु 03/07/2102
गुरु 23/07/2056	शनि 17/07/2065	बुध 15/03/2074	केतु 05/04/2088	00/00/0000
शनि 05/07/2057	बुध 17/12/2066	केतु 11/08/2074	शुक्र 05/04/2091	00/00/0000
बुध 12/05/2058	केतु 18/07/2067	शुक्र 11/10/2075	सूर्य 28/02/2092	00/00/0000
केतु 16/09/2058	शुक्र 18/03/2069	सूर्य 16/02/2076	चंद्र 29/08/2093	00/00/0000
शुक्र 17/09/2059	सूर्य 16/09/2069	चंद्र 16/09/2076	मंगल 16/09/2094	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 2 मा 26 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृत्ति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृत्ति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगों की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते हैं। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रुख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृत्ति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृत्ति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते हैं तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।